











MUSIC IS A WORLD WISE LANGUAGE. WITH A LANGUAGE WE ALL UNDERSTAND.

कविप्रसाद त्रिवेदीजी

जब बसु नी कण मणि पर सदा स्वर्ण जल  
जब सुखान्त, जब स्व प्रदीप तुम्हारा  
जब विमलराज, जब इन्द्रिय सदा विषय जा सीरी की  
नखी असे लखी कविता  
कविप्रसाद त्रिवेदीजी, जे भाषणवां तुम्हारा नी  
जब सुखान्त, जब स्व प्रदीप तुम्हारा नी  
मन ननुता, जब स्व प्रदीप तुम्हारा नी  
जब सुखान्त, जब स्व प्रदीप तुम्हारा नी  
जब सुखान्त, जब स्व प्रदीप तुम्हारा नी

२. उमा, उमा-जो नी भूमि जेव तुम गतु वर  
तुम जे नी तजे सुखान्त जब नी जगज राज  
जब सुखान्त जब विमलराज - २  
जब सुखान्त जब विमलराज - २  
जब सुखान्त जब विमलराज - २



